UNDER GRADUATE COURSES FOR SANSKRIT (HON.) UNDER CHOICE BASED CREDIT SYSTEM (CBCS)

विद्यालङ्कार(B.A. Sanskrit Hons.)

संस्कृत विषय के लिये विस्तृत पाठ्यक्रम

Detail of the Core Course for Sanskrit

सत्र-पञ्चम Semester –V

समय (Time)- 03 घण्टे (Hours)

आधारभूत पत्र (Core paper) **संस्कृत व्याकरण (लघुसिद्धान्तकौमुदी)** **पूर्णाङ्क -100**

Paper HSA– C512 **Sanskrit Grammar** **सत्रान्त परीक्षा -70**

(Laghusiddhantakaumudi)

आन्तरिक परीक्षा-30

सकल-अर्जिताधिभार 06

प्रस्तावित पाठ्यक्रम (Prescribed Course)

खण्ड- क (Section – A) संज्ञा एवं सन्धि प्रकरण (लघुसिद्धान्तकौमुदी के अनुसार)

खण्ड- ख (Section – B) समास प्रकरण (लघुसिद्धान्तकौमुदी के अनुसार)

खण्ड- ग (Section – C) कृदन्त प्रकरण (लघुसिद्धान्तकौमुदी के अनुसार)

पाठ्यक्रम का उद्देश्य-

इस पाठ्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थियों को संस्कृत भाषा के संरचनात्मक वैशिष्ट्य से परिचित कराना है।

पाठ्यक्रम अध्ययन परिणाम-

1. इस पाठ्यक्रम के अध्ययन से छात्र संस्कृत के व्याकरण का प्रारम्भिक ज्ञान प्राप्त कर पद एवं वाक्य संरचना करने में दक्ष हो सकता है।
2. संस्कृतव्याकरण इस भाषा के ज्ञान के लिए मूलस्रोत है, इसके सम्यक् परिज्ञान से समस्त साहित्य का गम्भीर अध्ययन करना सम्भव है।

घटकानुरूप विभाजन (Unit-Wise Division)

खण्ड-क (Section – A)

संज्ञा एवं सन्धि प्रकरण

(लघुसिद्धान्तकौमुदी के अनुसार)

घटक (Unit)1- संज्ञा एवं अच् सन्धि प्रकरण के सूत्रार्थ एवं प्रयोग (यण्, गुण, अयादि, वृद्धि एवं पूर्वरूप)

घटक (Unit)2- हल् सन्धि एवं विसर्गसन्धिके सूत्रार्थ एवं प्रयोग

(श्चुत्व, ष्टुत्व, अनुनासिकत्व, छत्व, जश्त्व, षत्व, उत्व एवं लोप)

घटक (Unit)3- संस्कृत साहित्य में संधियों के प्रयोग का अभ्यास

खण्ड-ख (Section – B)

समास

घटक (Unit)1-अव्ययीभाव एवं तत्पुरुष समास विधायक प्रमुख सूत्रों के अर्थ एवं प्रयोग।

घटक (Unit)–2- द्वन्द्व एवं बहुब्रीहि समास विधायकप्रमुख सूत्रों के अर्थ एवं प्रयोग।

खण्ड-ग (Section –C)

कृदन्त प्रकरण (लघुसिद्धान्तकौमुदी के अनुसार)

घटक (Unit)1- कृदन्त शब्द विधायक प्रमुख प्रत्यय(तव्यत्, तव्य, अनीयर्, यत्, ण्वुल्, तृच्, अण्, क्त, क्त्वतु, शतृ, शानच्, तुमुन्, क्त्वा(ल्यप्), ल्युट्) तथा इनके सूत्र।

संस्तुतग्रन्था:

1.शास्त्री धरानन्द – लघुसिद्धान्तकौमुदी , मूल एवं हिन्दी व्याख्या , मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली
2. शास्त्री भीमसेन – लघुसिद्धान्तकौमुदी , भैमी व्याख्या (भाग – १-4) भैमीप्रकाशन , दिल्ली